मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 9 **MTT–041**

सिंधी–हिंदी–सिंधी अनुवाद में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

(पी. जी. डी. एस. एच. एस. टी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2025

एम.टी.टी.–041 : सिंधी–हिंदी अनुवाद : तुलना और पुनःसृजन

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिए गए हैं।*

---

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **250–300** शब्दों में लिखिए : 2×15=30

(क) सिंधी–हिंदी भाषा की वर्णमाला का संक्षिप्त परिचय देते हुए तुलनात्मक समीक्षा कीजिए।

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

(ख) सिंधी-हिंदी भाषा की शब्द-रचना में समानताएँ व अंतर उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

(ग) सिंधी-हिंदी भाषा के कुछ मुहावरों एवं कहावतों को लेकर उनमें समानताएँ बताइए।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** सिंधी शब्दों के हिंदी पर्याय लिखते हुए उनका सिंधी में वाक्य प्रयोग कीजिए : 5×2=10

(i) सूंह

(ii) हठु

(iii) गिदामड़ी

(iv) पूॼा

(v) गहुज

(vi) चिताउ

(vii) फलाणो

(viii) तलिब

(ix) मज़मून

(x) नुंहं

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** हिंदी शब्दों के सिंधी पर्याय लिखते हुए उनका हिंदी में वाक्य प्रयोग कीजिए : 5×2=10

(i) घराना

(ii) कुमुख

(iii) खरी

(iv) चकमा

(v) दिलावर

(vi) पक्षपात

(vii) फ़ाश

(viii) भार

(ix) महीन

(x) लहू

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** कहावतों/मुहावरों का सिंधी से हिंदी/हिंदी से सिंधी में अनुवाद करते हुए उनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए : 5×2=10

(i) पारि लग॒ाइणु

(ii) पापड़ वेलणु

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

(iii) ज़िबान जो गंदो

(iv) हथु पलणु

(v) ताकत खां अकुल वडो

(vi) जब तक साँस तब तक आस

(vii) गुदड़ी का लाल

(viii) चंग चढ़ाना

(ix) कर काम ले दाम

(x) पुल बाँधना

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** वाक्यों का हिंदी में अनुवाद कीजिए : 5×1=5

(i) तव्हां लाइ कंहिजो फोन आयो हो।

(ii) मूंखे अंबु वणंदो आहे।

(iii) असां खे हुन ते पूरो विश्वासु आहे।

(iv) मां हीअंर घणो मशगूल आहियां।

(v) मेलो छा खे चइजे थो ?

(vi) सिंधी भाषा जूं ब्र लिपियूं आहिनि।

(vii) सिरमौर कवि शाह लतीफ आहे।

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** वाक्यों का सिंधी में अनुवाद कीजिए : 5×1=5

(i) आपकी बीमारी का समाचार पाकर बहुत दु:ख हुआ।

(ii) आपने महान कार्य किया।

(iii) आपका मुख्य विषय क्या है ?

(iv) वह बच्चों के सामान की दुकान है।

(v) क्या आपको छात्रवृत्ति मिलती है ?

(vi) शहीद हेमूं कालानी पर हमें गर्व है।

(vii) आप भोजन के आरंभ में क्या लेंगे ?

7. निम्नलिखित में से किसी **एक** अनुच्छेद का हिंदी में अनुवाद कीजिए : 1×15=15

(i) असांजे देश वारनि खे अक्सर करे फिक्रु आहे त असीं धर्मी आहियूं, इख़्लाक में अशराफ आहियूं, अहिंसा जा पाबंद आहियूं। इएं हुजे बि खणी त बि इन्हीअ चवण में वधाउ न थीन्दो त असांजे डप ऐं हीणाईअ करे असांजो जप तप, पूजा पाठ, सफाई अहिंसा व्यर्थ था वञनि। घणे भाङे माया जा गुलाम आहियूं ऐं बियनि

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

जा मोहताज आहियूं। दुनिया में हरिको पंजों या छहों इंसान हिन्द जे मिटी पाणीअ जी पैदाइश आहे पर केरु चवन्दो त असीं बि कंहिं ग॒ाणाटे में आहियूं। जिन मुल्कनि में असांजे मुल्क जे माण्हुनि जी पती बि कान्हे, उहे हर रीत असां खां ऊच पदवीअ ते पहुतल आहिनि, वधीक सुखिया सताबा आहिनि, वधीक शान मान वारा आहिनि ऐं शायदि कर्म धर्म में बि असां खां मथे आहिनि।

अथवा

(ii) सिन्ध जे भूमीअ खे वरु मिलियलु थो ड॒िसिजे त हिन नासवंत संसार में 'जग॒त मिथ्या' ऐं 'एको ब्रह्म द्वितयो नास्ति', जी अमली गवाही पेशि करे ऐं भिटिकन्दड़ मनुष्यनि जो मनु पिरयां जे पार निए। सिन्धु जे आब ऐं मिटीअ में हिक खास तासीरु आहे। असां जो दरयाह शाह न रुग॒ो जल सागर आहे, पर खुदि महराण आहे, समुन्द्र आहे। संदसि पाणीअ में पवित्र नदियुनि जो मेठाज आहे थधाण आहे, त संदसि बे पायां पखेड़ ऐं कूकाट कन्दड़ लहरुनि में समुण्ड जी दहशत आहे।

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

सिन्धूअ जे कप ते रही इंसान अज़िखुदि आदि अन्त खे थो याद करे, अन्दर में झाती थो पाए ऐं साईंअ जी सूंहं ते अश–अश थो करे। जिन सिन्धुअ जी यात्रा कई आहे, झूलेलाल जो नारो हंयो आहे, उन्हनि खे ई सुद्धि आहे त दरयाह शाह कहिड़ी सुर्की थो पीआरे, कहिड़ा रूहानी राज़ थो पलिटे।

8. निम्नलिखित में से किसी **एक** अनुच्छेद का सिंधी में अनुवाद कीजिए : 1×15=15

(i) भारत के सभी प्रमुख राष्ट्रीय नेता यथा महात्मा गांधी, पंडित जवाहरलाल नेहरू व अन्य जब सिंध में आते थे तो मंच पर हून्दराज दुखायल की उपस्थिति और उनके गीतों की गूँज सुनिश्चित रहती थी। उनके गीतों से राष्ट्रीय नेताओं के संबोधन से पूर्व उपस्थित जनसमुदाय में राष्ट्रीय भावनाओं को जागृत करने, बलवती बनाने में उनके गीत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते थे।

आपने वर्ष 1941 में लारकाना से 18 मील दूर रातों देरो नामक ग्राम में चरखे और हाथ से बनाये जाने वाले कागज के उत्पादन के लिए 'गांधी सेवा आश्रम' की

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

स्थापना की। एक दर्जन से अधिक सृजनशील मजदूर वहाँ रहते और काम करते थे। वर्ष 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान दो बार–दो और छः महीनों के लिए जेल गए और वर्ष 1943 में रिहा हुए। वर्ष 1945 में 'स्वतंत्रता के संकल्प' (Pledge of Independence) पढ़ने के जुर्म में इन्हें तीन महीने की बामुशक्कत कैद की सजा सुनाई गई।

अथवा

(ii) सुखद कल्पनाओं और भारत लौटने की चाह में वह दिन गिन रहा था। वहीं बस जाने की आतुरता, भाइयों के मोह में कह उठता "अमेरिका का जीवन स्वर्ग में काले पानी की सज़ा है, सब कुछ ऊपरी, बनावटी और बेरंगी दुनिया है। भावनाएँ, गहराई, सच्चाई और रस तो अपने देश में है।" परिवार के साथ रहकर उस धूप–छाँव का आनंद लेने के ख़्वाब दोनों पति–पत्नी आँखों में संजोते रहे। आख़िर 30 बरस के बाद अमेरिका छोड़–छाड़कर अपने वतन लौटते हैं जहाँ उन्होंने अपने भविष्य के सपने सजाये थे। जो उनकी

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

ज़मीन है, वह अब उनकी न रहकर भारत में बसे भाइयों की हो गई थी। अमीरी में उनकी गरीबी तो ढक गई, पर पैसे की गर्मी ने रिश्ते ठंडे कर दिए। उन अपनों के दिलों में थोड़ी–सी जगह पाने की चाहत, सपना बन गई, और मनजीत अपने ही घर में अजनबी बन गया। वह स्वीकार नहीं कर पा रहा था कि माँ–बाप, भाई ऐसे कैसे इतना बदल सकते हैं! ज़मीनों ने रिश्ते बाँट दिए थे, उसके खून–पसीने की कमाई दौलत पर रह रहे उसके दोनों भाई उसके खून के प्यासे हो गए थे......! वह हक़ीकत से रूबरू होकर भी यह नहीं जान पा रहा था कि कौन–सी ज़मीन उसकी अपनी है ?

× × × × ×

Downloaded from www.IGNOUBABA.com